University in News on 28 March 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कोरोना के कारण इस बार होली से पहले ही विवि कैंपस सूने

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के बढ़ते केस एक बार फिर शिक्षण संस्थानों के लिए मुसीबत बनने लगे हैं। होली से पहले शासन ने 25 मार्च से उच्च शिक्षण संस्थानों में ऑनलाइन क्लास चलाने का निर्देश दे दिया। हालांकि लविवि में लॉ की परीक्षाएं शनिवार को भी जारी रहीं। राजधानी के अधिकतर विश्वविद्यालयों व कॉलेजों में इस बार होली का जश्न फीका रहा। संस्थान होली से पहले ही सूने हो गए। जो विद्यार्थी हैं भी वे होली खेलने से बच रहे हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को सन्नाटा पसरा रहा। इक्का-दुक्का छात्र ही कैंपस में दिखे।

लविवि में शनिवार को भी हुई लॉ की परीक्षाएं, एक-दो जगह ही हुए होली के कार्यक्रम, बीबीएयू, पुनर्वास विवि में कई दिन से सन्नाटा

पिछले साल कोरोना संक्रमण के कारण लगभग 10 महीने तक शिक्षण संस्थानों के परिसर सूने रहे। दिसंबर के अंत व जनवरी में धीरे-धीरे कैंपस खुले और परीक्षा व ऑफलाइन पठन-पाठन भी शुरू हुआ। जिससे उम्मीद बंधी की धीरे-धीरे स्थितियां सामान्य होंगी। फरवरी तक पठन-पाठन की व्यवस्था सामान्य हुई, लेकिन मार्च में एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने अपने पैर फैलाने शुरू कर दिए। जिसका असर होली से पहले शिक्षण संस्थानों में देखने को मिला। यूं तो होली अवकाश रविवार से प्रस्तावित है लेकिन इसका असर एक सप्ताह पहले ही परिसर में दिखने लगा। हालांकि परीक्षाएं पूर्व की भांति चल रहीं थीं। जैसे-जैसे परीक्षाएं होती जा रहीं थीं, विद्यार्थी अपने घरों को रवाना होते गए।

इक्का-दुक्का गर्ल्स हॉस्टल में ही होली के आयोजन हुए। जबकि लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्रावासों की होली का अपना अलग ही रंग होता था। परिसर में एक सप्ताह पहले से होली का सुरूर चढ़ता था और शायद ही कोई चेहरा बिना रंगे हुए निकलता था। किंतु इस बार ऐसा माहौल नहीं दिखा। कमोवेश यही स्थिति डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय व बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में भी देखने को मिली।

पुनर्वास विश्वविद्यालय में भी सेमेस्टर परीक्षाएं चल रहीं थीं। जैसे-जैसे परीक्षाएं होती जा रहीं थीं, विद्यार्थी अपने घरों को रवाना हो गए। छात्र मिथिलेश कुमार ने कहा कि हर साल हम आपस में खूब होली का धमाल करते थे, लेकिन इस बार किसी ने होली नहीं खेली। बीबीएयू की छात्रा पुण्या त्रिपाठी ने कहा कि इस बार कोरोना संक्रमण की वजह से छात्रावास में एक कमरे में एक छात्रा ही रह रही थी। काफी छात्राएं आईं भी नहीं। इसलिए इस बार होली का वो माहौल और उत्साह कहीं नहीं दिखा।

50 केंद्रों पर होंगी स्नातक परीक्षाएं

लविवि : अधिकतर कॉलेजों को बनाया गया सेल्फ सेंटर, दो पालियों में होगा आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की बीए, बीएससी, बीकॉम पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 06 अप्रैल से शुरू होने वाली हैं। परीक्षाएं 50 केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी जो दो पालियों में आयोजित होंगी। स्नातक पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं एमसीक्यू पैटर्न पर सुबह 08 से 9.30 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 02 से 3.30 बजे तक आयोजित होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों की विस्तृत सूची शनिवार को जारी कर दी।

इसके अनुसार अधिकतर कॉलेजों को सेल्फ सेंटर बनाया गया है। वहीं जिन कॉलेजों की क्लास क्षमता अधिक है, वहां अन्य कॉलेजों के सेंटर बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए कोविड प्रोटोकॉल के कड़ाई से अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केंद्रों में बिना मास्क के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रवेश से पहले सैनिटाइजेशन की व्यवस्था होगी।

ये हैं परीक्षा केंद्र :

लखनऊ विश्वविद्यालय, एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज, अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज, बीएसएनवी पीजी कॉलेज, डीएवी पीजी कॉलेज, डीडीयू गर्ल्स कॉलेज, जेएनपीजी कॉलेज, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज गोलागंज, विद्यांत हिंदू डिग्री कॉलेज, कालीचरण डिग्री कॉलेज, सरदार भगत सिंह कॉलेज ऑफ एजुकेशन, करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स डिग्री कॉलेज, खुनखुन जी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, मुमताज डिग्री कॉलेज, शिया डिग्री कॉलेज, महाराजा बिजली पासी सरकारी कॉलेज, गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज, महिला महाविद्यालय, सीबी गुप्ता एग्रीकल्चर डिग्री कॉलेज, आईटी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज, नारी शिक्षा निकेतन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, नवयुग कन्या डिग्री कॉलेज, नेताजी सुभाष चंद्र बोस गर्ल्स डिग्री कॉलेज, शशि भूषण गर्ल्स डिग्री कॉलेज, श्री महेश प्रसाद डिग्री कॉलेज, लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका महाविद्यालय, आदर्श सत्येंद्र महाविद्यालय, भारतीय विद्या भवन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, कैरियर कांवेंट गर्ल्स डिग्री कॉलेज, हीरालाल यादव गर्ल्स डिग्री कॉलेज, चरक इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, लखनऊ डिग्री कॉलेज, रजत पीजी कॉलेज कमता, रामा डिग्री कॉलेज चिनहट, श्री गुरुनानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज, अर्जुनगंज विद्या मंदिर, अमीरुद्दौला इस्लामिया डिग्री कॉले, एसकेडी एकेडमी, इरम गर्ल्स डिग्री कॉलेज, ज्ञानोदय डिग्री कॉलेज, टेक्नो इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज, वासुदेव डिग्री कॉलेज, रामाधीन सिंह गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सीडी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, डीएसएन महिला महाविद्यालय, आरएएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज।

एमबीए ऑड सेमेस्टर की परीक्षाएं पांच से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की एमबीए ऑड सेमेस्टर की परीक्षाएं पांच अप्रैल से प्रस्तावित हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. संजय मेधावी के अनुसार परीक्षा विभाग में दोपहर 02 से 05 बजे तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा 05 अप्रैल से 10 अप्रैल तक आयोजित होंगी। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

NBT PAGE 6

एलयू के 9 विद्यार्थियों का मल्टीनैशनल कंपनी में चयन

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के नौ विद्यार्थियों का चयन मल्टीनैशनल कंपनी में हुआ है। विवि के इंजिनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग ऐंड प्लेसमेंट सेल ने प्रफेशनल सर्विसेज की कंपनी डेलॉयट के साथ मिलकर प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया था। इसमें इंजिनियरिंग संकाय के बीसीए के महक रस्तोगी, आयुष जोशी, यश जैन, आशवाल दीक्षित, अनुराग तिवारी, उस्मान अहमद, अनुभव सिंह के साथ जीआईटीएम के बीसीए छात्र वैभव बिष्ट और लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज की बीसीए छात्रा शिवानी पांडेय का चयन हुआ। कंपनी ने चयनित छात्रों को असोसिएट एनालिस्ट के पद पर 3.82 लाख सालाना पैकेज ऑफर किया है।

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा छह अप्रैल से

सेमेस्टर की परीक्षाएं पचास केंद्रों पर होंगी

तैयारी

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा छह अप्रैल से शुरू होगी। इन परीक्षाओं के लिए शनिवार को केंद्रों की सूची जारी की गई। पहले सेमेस्टर परीक्षाएं 50 केंद्रों पर होंगी। इनमें ज्यादातर कालेजों को सेल्फ सेंटर बनाया गया है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कालेजों को निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा केंद्रों पर कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन करें। बिना मास्क किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

इन कालेजों में होगी परीक्षाः लखनऊ विश्वविद्यालय, एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज, अवध गर्ल्स, बीएसएनवी पीजी कालेज, डीएवी कालेज, डीडीयू गर्ल्स डिग्री कालेज, जेएनपीजी, लखनऊ क्रिश्चियन, विद्यांत कालेज, कालीचरण कालेज, सरदार भगत सिंह कालेज काकोरी, करामत हुसैन कालेज, खुन-खुन जी गर्ल्स कालेज, कृष्णा देवी डिग्री कालेज, मुमताज डिग्री कालेज, शिया कालेज सीतापुर रोड, बिजलीपासी आशियाना, गौतम बुद्ध डिग्री कालेज बिजनौर, महिला महाविद्यालय, सीबी गुप्ता डिग्री कालेज बीकेटी, आइटी डिग्री कालेज, अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज, नारी शिक्षा निकेतन, नवयुग डिग्री कालेज , सुभाष चंद्र बोस गर्ल्स डिग्री कालेज, शशि भूषण, श्रीमहेश प्रसाद डिग्री कालेज मोहनलालगंज, लाला महादेव प्रसाद वर्मा महाविद्यालय गोसाईगंज, आदर्श सत्येंद्र महाविद्यालय माल, भारतीय विद्या भवन गोमती नगर, लखनऊ पब्लिक कालेज गोमती नगर, बोरा इंस्टीट्यूट सीतापुर रोड, कैरियर कान्वेंट विकास नगर, हीरा लाल यादव सरोजनी नगर, चरक इंस्टीट्यूट मौरा, लखनऊ डिग्री कालेज हरदोई रोड, रजत पीजी कालेज, रामा डिग्री कालेज चिनहट, श्रीगुरुनानक गर्ल्स डिग्री कालेज, इस्लामिया डिग्री कालेज, एसकेडी एकेडमी, इरम गर्ल्स डिग्री कालेज, बासुदेव डिग्री कालेज, रामाधीन सिंह गर्ल्स डिग्री कालेज, डीएसएन महिला महाविद्यालय बीकेटी, आरएएस डिग्री कालेज कृष्णा नगर।

प्रो. वीके शुक्ला मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष बने

लखनऊ। एलयू के कुलपति प्रो. आलोक राय ने शनिवार को संस्कृत विभाग के प्रो.वीके शुक्ला को मनोविज्ञान विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है।

i-NEXT PAGE VI

डीन कला संकाय को मनोविज्ञान विभाग भी

LUCKNOW(27 MARCH)एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर कला संकाय के डीन प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला को मनोविज्ञान विभाग के हेड का भी कार्यभार सौंपा गया है. उनका कार्यकाल 27 मार्च से 3 वर्ष अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने तक या कोई अन्य आदेश होने तक रहेगा.

JAGRAN CITY PAGE IV

50 केंद्रों पर होंगी स्नातक प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं

जासं, लखनऊः लखनऊ विवि ने आगामी छह अप्रैल से शुरू होने वाली स्नातक प्रथम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए शनिवार को केंद्रों का निर्धारण कर दिया। परीक्षाएं 50 केंद्रों पर होंगी। इनमें ज्यादातर कालेजों को स्वकेंद्र बनाया गया है।

ये हैं परीक्षा केंद्र: लखनऊ विवि, एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज, अवध गर्ल्स डिग्री कालेज, बीएसएनवी पीजी कालेज, डीएवी पीजी कालेज ऐशबाग, डीडीयू गर्ल्स डिग्री कालेज, जेएनपीजी कालेज, लखनऊ क्रिश्चियन कालेज, विद्यांत हिन्दू डिग्री कालेज, कालीचरण डिग्री कालेज हरदोई रोड, सरदार भगत सिंह कालेज आफ एजुकेशन काकोरी, करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स डिग्री कालेज फैजाबाद रोड, खुन-खुन जी गर्ल्स डिग्री कालेज, कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कालेज आलमबाग, मुमताज डिग्री कालेज, शिया डिग्री कालेज सीतापुर रोड, महाराजा बिजली पासी राजकीय कालेज आशियाना, बुद्ध डिग्री कालेज गौरी रोड बिजनौर, महिला महाविद्यालय अमीनाबाद, सीबी गुप्ता एग्रीकल्चर डिग्री कालेज बीकेटी, आइटी गर्ल्स डिग्री कालेज, अटल बिहारी वाजपेयी डिग्री कालेज सुरेंद्र नगर, नारी शिक्षा निकेतन गर्ल्स डिग्री कालेज कैसरबाग, नवयुग कन्या डिग्री कालेज राजेंद्र नगर, सुभाष चंद्र बोस गर्ल्स कालेज, शशि भूषण गर्ल्स डिग्री कालेज, श्रीमहेश डिग्री कालेज मोहनलालगंज, लाला महादेव बालिका महाविद्यालय गोसाईगंज व अन्य।

TOI PAGE 2

NEP expects state univs to be more than mere exam-conducting bodies

Policy Wants Colleges To Be Autonomous & Bigger In Size

Prof Alok Kumar Rai

The new National Education Policy 2020 (NEP2020) received accolades for perceived good from all corners of the educational spectrum. As an angel guardian, NEP2020 offered something significant to everyone. This unique attribute coupled with the transformative ability of the policy made it revolutionary.

The first phase of post NEP2020 announcement went into a well-orchestrated awareness drive where the sector and society both paid due diligence in comprehension of the document. Now, the focus is being shifted to the new regime where modalities for implementation of the policy is being contemplated by ways of committees at the state government level, by University Grants Commission at National level and by collaborative efforts for academic conversion at university level. The on-ground fruits for the students as well as society is expected sooner rather than later.

BY INVITATION

One key feature of the NEP2020 that has yet to garner attention is the state of affairs of state universities in the country. Their issues deserve greater attention simply for the fact that over 80% of the higher educational institutions belong to this category while their gross contribution to the national research and innovation reservoir is far below. The NEP2020 expects state universities to move beyond the role of a mere examination-conducting bodies. Two extremely important function of these state universities viz. granting affiliation and conducting examination is being proposed to be done away with in a phased manner. It also expects colleges to be bigger in size and autonomous in nature.

As an angel guardian, NEP2020 offers something to everyone

In such a case, state universities would be relieved from the role that is currently considered to be the most primary one. Instead, NEP2020 expects state universities to focus on providing research-based multidisciplinary modern and applied education to large number of students with focus on scalability and (self)employability and contribute to the macro goals set by NEP2020 which includes increased Gross Enrolment Ratio, superior global ranking of Indian Universities and enhanced impact in global research and innovation. This indeed is a daunting task that would require more faculty, better research and teaching infrastructure, and facilities for students' holistic development. Besides, this demands governance of the institution to be speedier, accurate and transparent with simplified procedures and optimized process. Implementation of the 4 Ps principle of corporate governance which includes People, Purpose, Process and Performance is an imperative in the university system as well. Laying foundation for such a model will in many ways change the manner in which most of the state universities in the country are functioning.

The above ambitious endeavour of state universities will have to be confronted with two extremely important parameters viz. institutional financing and institutional autonomy. Though NEP2020 clearly specifies spending of 6% of GDP on education which in itself is a daunting task. The fact of the matter is that the majority of the earmarked expenditure goes into salary disbursements, leaving hardly any room for research and student related facilities. This excessively skewed model of financial management calls for a major rehaul. The Hon'ble Prime Minister while speaking on NEP2020 very subtly linked the parameters of institutional financing and institutional autonomy with institutional performance.

Complete reliance on governmental grant for survival is certainly not the most prudent proposition while excessive reliance on income through fees cannot be an option considering the societal role of state-run universities. A strategic perspective based on synergistic relationship among university, government and society has to be evolved not just to ensure sustained survival of these state universities but also be more student centric.

Autonomy to these institutions thus comes for rescue to these institutions.

Post awareness, discussion of NEP2020 while evolving an implementation mechanism will certainly deliberate and decide to resurrect the real role of state universities with an eye on sustained solutions for greater good of students, society and education.

(The writer is vice-chancellor of Lucknow University. Views expressed here are personal)

TOI PAGE 1 & 7

Vir Chakra winner LU alumnus recalls INS Panvel's conquest

Arvind.Chauhan
@timesgroup.com

Lucknow: While India and Bangladesh celebrate 50th anniversary 1971 liberation war, not many would be aware of the crucial role played by a 29-meter-long ship, INS Panvel, carrying a crew of 30 and fitted with two 40/60 Bofors guns.

Called 'Lilliputian' by some veterans, the ship not only dodged heavy fire power of Indian Air Force's Gnats due to miscommunication, but ultimately captured the vital Khulna harbour, the garrison of Pakistan military with huge stockpiles of weapons and other materials. One of the key members of the INS Panvel crew was a Lucknow University alumnus, Commander Ashok Kumar (then sub-lieutenant), who hails from Bahraich. Ashok was commissioned in the navy as officer in August month of 1971 and was assigned in the Bangladesh liberation war in December at the age of 23-years.

Commander Ashok Kumar (then sub-lieutenant)got President medal

1971 BANGLADESH LIBERATION WAR

▶Gunnery officer, P 7

'Was a gunnery officer, had no experience of war'

▶Continued from P 1

Now based in Mumbai, Vir Chakra winner Kumar, now 73, vividly recalls the act of valour of the 'Lilliputian' and its men.

"I was a gunnery officer who was just commissioned in the Navy and had no experience of war. Prior to joining the liberation war on INS Panvel as a team of 'Force Alpha', our Lilliputian had met a huge cyclone in the night of October 30, 1970 near Paradip. Back then we thought it was the end of our story as the ship was out of control in huge waves. But nobody had an idea that months later our ship and the crew will write a history of unmatched courage and determination," said Kumar, whose ship was assigned for facilitating Bangladeshi refugees at Sandeshkhali, Hasnabad (West Bengal) till December 3, 1971.

"After the war was declared, Lt General Jagjit Singh Aurora and Major General JFR Jacob ordered the Force Alpha comprising INS Panvel, Mukti Bahini gun boats Padma, Palash and BSF craft Chitrangada under the leadership of Commander Mohan Narayan Rao Samant -- a submariner -- to launch a waterborne attack on Chalna and Mongla harbours controlled by Pakistan military," he said.

"Later, the fleet advanced toward Khulna port (Pakistan military garrison) from the Rupsha river. The attack's purpose was to break Pakistan military strength and help the army's 41 brigade to capture the area. By December 10 morning, when we reached Chalna and Mongla ports, we experienced very little resistance as the previous night of December 9, the bombers and fighters of INS Vikrant had razed the two ports. After neutralizing the remaining enemies, boat Chitrangada was left behind to assist injured Bangladeshi nationals, while the rest three other boats headed toward Khulan," said the veteran sailor.

INS Panvel was led by Lt commander Joseph Pius Alfred Noronha. His ship was leading the fleet of three small ships.

"By 11 am, we reached Khulan and saw Pakistani soldiers resting on the west bank of Rupsha. Since our fleet had no signature or Indian flag to hint about it being an Indian boat, the Pakistani presumed that the trio were their boats, as they were not expecting enemy ships to take risks and expose themselves in open just 100 odd meters away from the river bank. I don't know who came up with this idea. However, to be saved from our friendly fire the ship superstructure was painted yellow and a flag, too, of the same colour was raised – a pre-arranged signal for being identified by IAF aircraft as friendlies. But unfortunately, due to possible miscommunication, three IAF Gnats attacked our fleet, Padma and Palash were completely destroyed and sunk, while their crew jumped into the water. As our crew was making efforts to retrieve the injured from the river, we saw a second wave of IAF Gnats heading toward INS Panvel, but fortunately this time they probably recognized us as friendly following which Pakistani soldiers and the militia (razakars) started heavy fire at us," said Kumar.

"Seeing the survivors of Padma and Palash being hit in water with rain of bullets by Pakistani, Cdr Samant and Lt Cdr Noronha ordered to bomb the entire Khulna anchorage, and for the next half an hour 600 rounds were fired from Bofors guns. We levelled the entire Pakistani garrison. In the counter-attack by Pakistani military, a BSF jawan, at a few Mukti Bahini men were killed, while Noronha narrowly missed getting injured, Samant suffered a grazing bullet wound and I was hit with a bullet which went through my ribs," he added.

"The harbour was captured and we changed the course of war," added Kumar who was awarded Vir Chakra for fighting against odds.

Force Alpha was given three Maha Vir Chakras (including to Noronha, Samant and a navy diver named C Singh), five Vir Chakras including Ashok Kumar and his subordinate KS Raju, LEMP (Leading electrical mechanic power), two Nao Sena Medal Gallantry.

Commander Samant passed away in 2019 in Mumbai, while Lt Cdr Noronha died last July in Bengaluru.

The same sequence of events were recently described by Commodore Srikant B Kesnur in his findings. He is the official historian for Indian Navy.